ट्रेडनीती®

कैसे बनें सफल प्रोफेशनल ट्रेडर

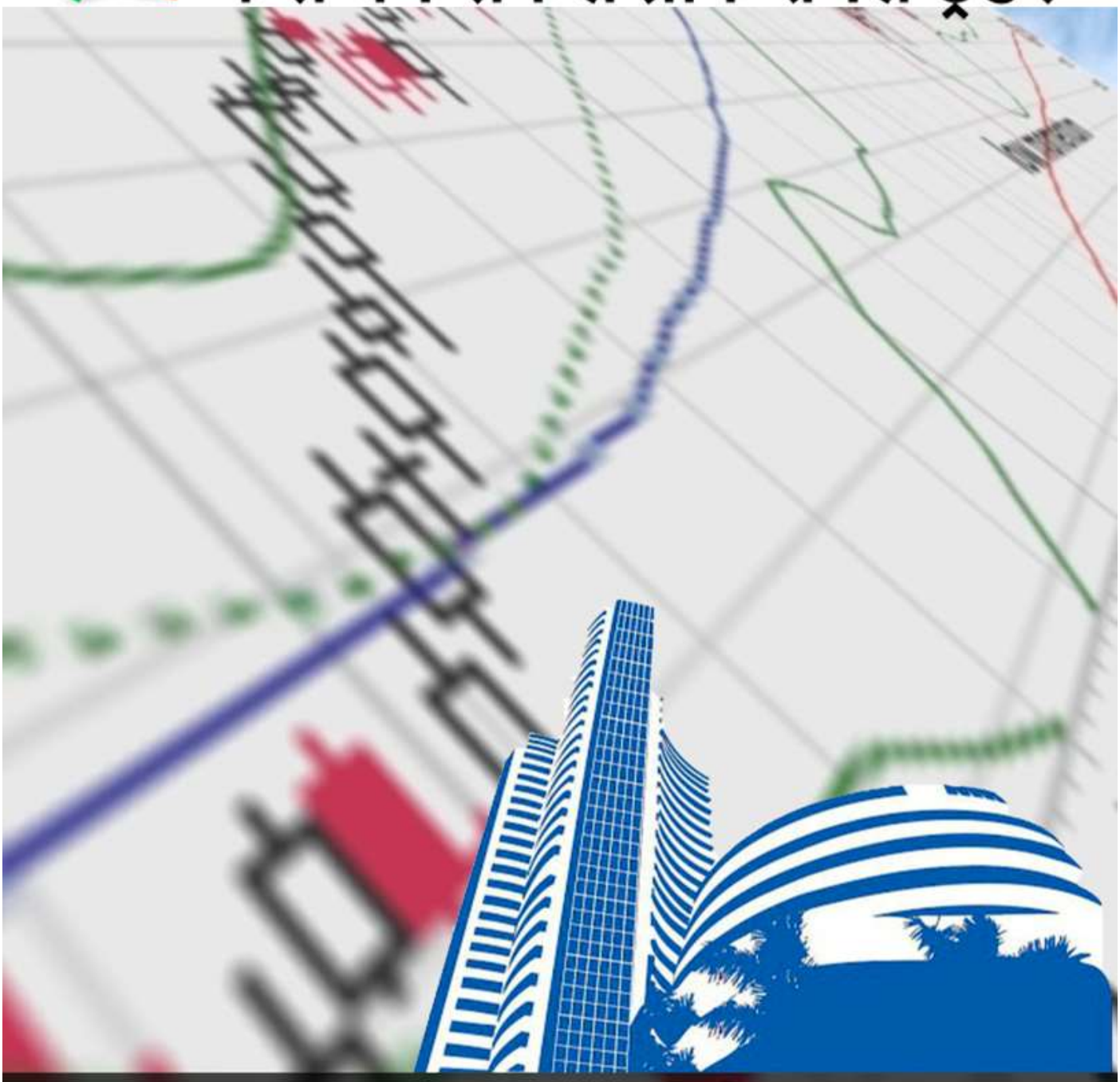

युवराज कलशेट्टी

ट्रेडनीती कैसे बने सफल प्रोफेशनल ट्रेडर किताब के कुछ पन्ने आप इस अध्याय में पढ़ सकते है | एडिशन 7 (2021)

Sample Pages of Tradeniti Kaise Bane Safal Professional Trader E7 (2021)

amazon.in

Amazon Product Link

ट्रेडनीती
इन्वेस्टमेंट सोल्युशन्स

Tradeniti Product Link

⊕ आम निवेशक की पांच भ्रान्तियाँ और गलतियाँ

आम निवेशक की पांच भ्रान्तियाँ : "हर प्रथम निवेशक का प्रथम निवेश डूब जाता है" | यह कहावत जापान के चावल बाजार में मशहूर थी और कई मायनों में सत्य और वास्तविकता से जुड़ी हुई कहावत है | ऐसा माना जाता है की पहला निवेश किया ही इसलिए जाता है की ताकी वह डूब जाए | दुनिया का हर ब्रोकर यह बात अच्छी तरह से जानता है | और आपको भी इस बात से आगाह कर दूँ की हो सकता है की यह वाकया आप के साथ भी हो सकता है अगर आप " एक आम निवेशक है तो " |

बात बड़ी अजीब लगती है की अगर हर आम निवेशक का प्रथम निवेश डूब जाता है तो इसके लिए कोई जागरूकता या फिर चेतावनी क्यों नहीं प्रकाशित करता ? क्या कोई ब्रोकर यह नहीं कह सकता की आपका निवेश खतरे में है ? क्या ऐसा कोई तरीका नहीं है जिसे इस्तेमाल करके हम इस दुष्टचक्र से बाहर निकलें ? अगर आप इस लेख को पुन: पढ़ें तो शायद बात आपके समझ में आ जाए यह कहावत केवल एक " आम निवेशक " के लिए है | आम निवेशक जिन्हें जानकारी बहोत कम है पर उन्हें मार्केट से पैसा कमाना है | यह कहावत न ही तेजी करने वालों का पक्ष लेती है और न ही मंदी करने वालों का | यह आम निवेशक के अज्ञान और अक्षम हालत को देखते हुए कही हुई कहावत है | तो चलिए जानते है की एक आम निवेशक किन भ्रांतियों में तब तक ट्रेड करता रहता है जब तक की उनका निवेश पूरी तरह डूब न जाए या फिर उनपर "मार्जिन कॉल्स की कतार में फोन आने लगे" |

1. शेअर मार्केट किसी का नहीं होता | नफा / नुकसान तक़दीर की बात है |
2. इंट्राडे ट्रेडिंग करना कम जोखिम और ज्यादा मुनाफा देने वाली ट्रेडिंग सिस्टम है |
3. हर नुकसान के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँ |
4. अगर नुकसान हो रहा हो तो उसे बुक करना कहाँ की होशियारी है |
5. अगर दुनिया में एक्सपर्ट होते तो वारेन बफे "पार्ट 2" नहीं बन जाते ?

⊕ शेअर मार्केट किसी का नहीं होता | नफा / नुकसान तक़दीर की बात है |

तक़दीर, इस चीज का शेअर मार्केट से दूर दूर तक कोई लेना देना ही नहीं है| यह बात केवल मैं अकेले अपने अनुभव से नहीं कह रहा हूँ | बल्कि कई वर्षों के प्रयत्न और गलतियाँ करने के उपरांत कुछ सिद्धांत जगजाहिर हुए है जिनके मुताबिक दुनिया का हर इंसान सफल ट्रेडर बन सकता है बशर्ते वह अपना प्रशिक्षण पूरा करें | निवेशक को चाहिए की वह पूरा ज्ञान लें |

क्या आपने सिंगापोर टर्टल और उनकी कहानी नहीं सुनी | केवल इस बात को साबित करने के लिए की किसी भी फिल्ड का व्यक्ती सही प्रशिक्षण और अनुशासन से बहोत बढ़िया कमाई कर सकता है | और केवल पांच सालों में वे टर्टल ट्रेडिंग प्रशिक्षण लेकर ट्रेडिंग करने वाले प्रतिभागी करोड़ों के मुनाफे के साथ दुनिया के सामने आए थे | तो क्या हम अब भी कहें की नहीं तक़दीर भी .. तो यह केवल अपने आप को अंधरे में सुरक्षित अनुभव करने जैसा होगा |

⊕ इंट्राडे ट्रेडिंग करना कम जोखिम और ज्यादा मुनाफा देने वाली ट्रेडिंग प्रणाली है

|

गलत, पूरी तरह गलत, इंट्राडे ट्रेडिंग "असल बात आप भी जानते है और मैं भी, आप ट्रेडिंग करने की अपनी तीव्र इच्छा और जिज्ञासा को रोक नहीं पा रहे | आप जल्द से जल्द ट्रेड करना चाहते है और ऐसा सोचते है की शायद आपको मुनाफा ही होगा"| पर होता कुछ और ही है | आपने कभी भी इस बात पर गौर नहीं किया की मार्केट आपसे क्या कहना चाह रहा है ! बल्कि आप सदा से वही सुनते आ रहे है जो " आप सुनना चाहते है " | मार्केट अगर थोड़ी भी करवट बदलता है तो आपको उससे भी मुनाफा कमाना है | क्यों ऐसी चाहत पाल रहे है जो आप को ठीक से साँस भी नहीं लेने दे रही, इतनी भी क्या जिज्ञासा है की आप आँखों के दर्द होने तक कंप्यूटर और टीवी से दूर नहीं हो पा रहे !! मुझे पता है की आप ऐसा क्यों कर रहे है ... आपके अवचेतन मन में ऐसा ख्याल पक्का हो गया है की " टीवी से जानकारी पाकर आप फंडामेंटल अनालिस्ट बन जायेंगे और कीमतों को देखकर मार्केट की दिशा का अनुमान लगा पायेंगे " और इसी तरह हजारों - लाखों और करोड़ों कमाएंगे | यह आपकी सबसे बड़ी सुप्त मन की भ्रान्ति है जिसका केवल एकमात्र इलाज है की किसी तरह आप पूरी तरह शेअर मार्केट के बारे में सुशिक्षित हो जाएँ भले ही उसके लिए साल भर या दो साल का वक्त लगे | जब आप ऐसा करेंगे तो आपको सबसे पहला एहसास यह होगा की आप को ट्रेडिंग करने के आदत लगी थी जो छुटने में बड़ी मुश्किल आई | और ऐसी ही कई मानसिक अडचने आएँगी जो ट्रेडिंग मनोविज्ञान सीखने से बड़ी आसानी से दूर होंगी |

⊕ हर नुकसान के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँ |

अगर सही वक्त पर ब्रोकर ने फोन नहीं उठाया, इंटरनेट कनेक्ट नहीं हुआ, कोई अचानक से खबर आ गई या कहीं को भूकंप हो गया या आतंकियों ने हमला किया जिससे शेअर मार्केट गिरा और मुझे नुकसान हुआ अब इस सब के लिए मैं कैसे जिम्मेदार हुआ ? शुरू शुरू में आम निवेशक का यह सोचना बड़ा ही तर्क संगत और बड़ा ही सच्चा लगता है परन्तु वह है नहीं | टीवी और अखबार ने एक सबसे बड़ा राजमार्ग बनाया है " अपनी जिम्मेदारी से भागने का !" जो आपको हर वक्त यह एहसास दिलाते रहते है की आपको नुकसान " फलां ढिमका " वजह से हुआ, पर सच्चाई यह है की - आपके हर पैसे और रूपये के लिए सिर्फ आप और सिर्फ आप ही जिम्मेदार है | मार्केट का मुड बिगड गया या फिर विदेशियों ने पैसे खिंच लिए.. सारी बातें आपके नुकसान का जिम्मेदार किसी और को ठहराने का जरिया भर है | इसे बदलिए सही विश्लेषण करने के टेक्निक से जो है टेक्नीकल अनालिसिस और फंडामेंटल अनालिसिस, अपनी भावनाओं पर गौर करना शुरू कर दीजिए ये केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं बल्कि आपको भी धोखा दे रहीं है, वे आपका ध्यान सच्चाई से भटका रहीं है | मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ, सजग करने का प्रयास कर रहा हूँ की जागिये गहरी नींद से और जब तक आपके पास पुख्ता सबूत न हो की मार्केट में क्या होने वाला है तब तक कोई ट्रेड मत लीजिए | पुख्ता सबुत से मेरा मतलब है कम से कम 75 प्रतिशत आश्वासन हो की आपका अनुमान सही है | और आपके ट्रेडिंग में आपकी भावनाओं का किसी तरह का कोई सहयोग नहीं है | भावनामुक्त बनिए |

⊕ अगर नुकसान हो रहा हो तो उसे बुक करना कहाँ की होशियारी है ?

जनाब, अगर नुकसान लेने में होशियारी नहीं है तो नुकसान बढ़ाने में भी कोई समझदारी नहीं दिखती है | कई वर्षों से जांचा परखा नियम है की अगर आप नुकसान में है तो आप भूल कर रहे है जिसे माफ किया जा सकता है पर, अगर आप यह जानते हुए भी की आप नुकसान में है फिर भी आप नुकसान से बाहर नहीं आ रहे तो आप " गलती कर रहे है और यह जानबुझकर की जाने वाली बात है जिसका परिणाम अच्छा तो नहीं होगा " | अगर आप नुकसान लेने से डरकर इंतजार कर रहे है तो आप और ज्यादा नुकसान को निमंत्रित कर रहे है | अत: सदैव स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड करें | आपको नुकसान हो रहा है इसका मतलब आपसे कुछ भूल हो गई है, कोई बात नहीं सभी से होती है अब इस गलती को स्वीकार कीजिए और ट्रेड बंद कर दीजिये |

⊕ अगर दुनिया में एक्सपर्ट होते तो वारेन बफे "पार्ट 2" नहीं बन जाते ?

अगर बन भी जाएँ तो आपको पता कैसे चलेगा ? दरअसल आम निवेशक यह मानना ही नहीं चाहते की मार्केट का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है | इसलिए वे कोई न कोई तरीके ढूंढने का प्रयास करते है, की किसी तरह अगर हम लोगों के अनुमान पर शक जाहिर करें और वह शक सही साबित हो जाए तो; हम खुद भी कुछ कर पाए ऐसा अहसास होता है | और यही तो बात है जिसे बदलना निवेशक के लिए मुश्किल साबित होता है | दुनिया में आज भी कई लोग है जो बेहतरीन मुनाफा कमाते है | शायद आपको जानकर हैरानी होगी की " मासीक, वार्षिक या फिर मोमेंटम ट्रेड करने वाले सदा ही मुनाफे में रहते है .. क्यूंकि वे अच्छी तरह जानते है की मार्केट में कब खरीद करें और कितना जोखिम लें | हर स्क्रिप में या तो तेजी करने वाले जीतते है या फिर मंदी करने वाले | क्यूंकि वे सही स्टॉप के साथ ट्रेडिंग करते है | और हर तरह के मार्केट में " पिग ट्रेडर्स " पैसा गंवाते है क्यूंकि उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं होता की कहाँ इंटर करें कितना जोखिम लें और बहार कब होना है |

⊕ आम निवेशक की गलतियाँ :

1. स्टॉपलॉस लगाने से अच्छा है कीमत आते ही एक्झिट करना |
2. खबर आई है तो उसका असर तो होगा ही |
3. ज्यादा नुकसान लेने से अच्छा है थोडा इंतजार कर लूँ |
4. कोई चीज गिर रही है तो कितना गिरेगी, बढ़ रही है तो कितना बढ़ेगी ये सोच कर उल्टा ट्रेड लेना |
5. ट्रेडिंग जैसा टाईमपास और कुछ नहीं है |

⊕ स्टॉपलॉस लगाने से अच्छा है कीमत आते ही एक्झिट करना |

स्टॉपलॉस लगाना मतलब अपने निवेश की सुरक्षा करना | अगर सही वक्त पर सभी एक्झीट कर पाते को एक्सचेंज को स्टॉपलॉस ऑर्डर निकालने की दुर्भुद्धि क्यों सूझती ? हर निवेशक / ट्रेडर का सबसे पहला कर्तव्य यह है की वह अपने निवेश की सुरक्षा का इंतजाम सबसे पहले करें |

क्या आप जानते है की हर इंसान अपनी जिंदगी में बिना किसी सवाल के, स्वभाविकत: अपने रुपयों की रक्षा सबसे पहले करता है और जब सुरक्षा का विश्वास हो जाए तो अगले काम करता है, पर सबसे महत्वपूर्ण है निवेश / रकम की सुरक्षा | और अगर कोई स्टॉपलॉस लगाने में कोताही बरतता है तो वह भूल कर रहा है, इस छोटीसी लगने वाली भूल की सजा बड़ी दर्दनाक होगी | क्यूंकि एक कहावत है की " अगर आप छोटे छोटे लॉस नहीं लेते तो आप एक दिन सबसे बड़ा लॉस लेंगे | (If You Don't Book Small Losses, Than 1 Day You Will Take The Mother of All Losses) स्टॉपलॉस न लगाना निवेशक के निवेश के लिए सबसे बड़ा खतरा होता है | हर इंसान के सफल या असफल बनने में स्टॉपलॉस का सबसे बड़ा योगदान है | यह न केवल ट्रेडर के अनुशासन को दिखाती है, साथ ही रिस्क मॅनेजमेंट के बारे में उसकी गंभीरता का भी परिचय देती है | हर इंसान को चाहिए की वह अपनी रिस्क लेने की लिमिट को तय करें और केवल उसी मुताबिक जोखिम लें | स्टॉपलॉस लगाने के लिए टेक्निकल अनालिसिस की जानकारी होना सबसे महत्वपूर्ण है |

⊕ खबर आई है तो उसका असर तो होगा ही:

क्या आप जानते है की हर खबर का असर एक ही तरह का नहीं हो सकता | अगर आप फंडामेंटल, कॉर्पोरेट अनाउन्समेंट की बजाय ख़बरों द्वारा ट्रेड करना चाहते है तो आप आलस कर रहे है | दूसरी बात यह है की हर फंडामेंटल / टेक्निकल अनालिस्ट खुद अनालिसिस करके कॉल निकालते है, जो की हर ट्रेडर के मुताबिक अलग हो सकता है | इसलिए सिर्फ ख़बरों के आधार पर ट्रेडिंग ना करें क्यूंकि यह कभी भी आपके खिलाफ जा सकती है | हर खबर में थोड़ी फंडामेंटल जानकारी होती है जिसे जानना और उसके असर का अंदाजा लगाना और उस अंदाजे के वेरीफाय होने में लगने वाले वक्त तक अनुशासित रहना, इन्तजार करना... ये सारी बातें हर ट्रेडर के मुताबिक अलग होती है | कोई भी खबर इस बात की गॅरंटी नहीं देती की उसका असर शेअर पर कितना और कब होगा | हम नहीं कह रहे की खबर का कोई असर होता ही नहीं है, हम कह रहे है की " सिर्फ ख़बरों के आधार पर ट्रेडिंग नहीं की जा सकती |

कुछ फर्क जो कई सालों से देखे जा रहे है वे है ..

- **खबर का उल्टा असर होना |**
- **खबर का मार्केट किसी तरह का कोई असर ही ना होना |**
- **खबर का असर होने में कुछ ज्यादा ही वक्त लगना |**
- **खबर आने पर मार्केट कंसॉलिडेट होना |**

ये सिर्फ कुछ बड़े फर्क है जो की आसानी से दिखाई देते है | पर जब आप किसी खबर के मुताबिक ट्रेडिंग करने लगेंगे तो आप पाएंगे की और भी कई बातें है जो आपको खबर के मुताबिक ट्रेड करने से पहले जान लेनी चाहिए |

⊕ ज्यादा नुकसान लेने से अच्छा है थोडा इंतजार कर लूँ:

यह बड़ी सामान्य सी लगने वाली बात, यानि रोजमर्रा पाई जाने वाली लाइलाज बिमारी है | इतना

नुकसान मैं कैसे ले सकता हूँ ? क्या वह कीमत जिसपर मैंने बाइंग की थी वो कभी आएगी ही नहीं ? जब यही कीमत आएगी तो मैं एक्झीट कर लूँगा | तब तक इन्तजार करता हूँ, हो सकता है नुकसान कवर होकर फायदा भी होने लगे |

यह सबसे बड़ी गलती है इस गलती की वजह से हो सकता है आप को एकाध बार फायदा हुआ हो पर इसी गलती की वजह से आपको अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा नुकसान भी देखना पड सकता है | ऐसी कई कहानियाँ सुनने में आती है की सिर्फ इसी मानसिकता की वजह से निवेशक अपना सम्पूर्ण निवेश खो देते है | निवेशक इस बात को मानने के लिए कतई तैयार नहीं होते की मार्केट उनके खिलाफ जा रहा है या जा चूका है, और अब मार्केट उनके अनुमान के मुताबिक नहीं चलने वाला | आम निवेशक हमेशा ही इस आशा में रहता है की जल्द ही उसका नुकसान " मुनाफे " में बदल जाएगा या फिर नुकसान की " मात्रा " कम हो जाएगी | यह बिलकुल वैसा ही है जैसा की " आम इंसान मुसीबत आने पर मंदिर में जाकर प्रार्थना करने लगता है .. की संकट हर लो प्रभु "|

शायद आम जिंदगी में प्रभु दुःख हर भी लें .. पर शेअर बाजार या कॅपिटल मार्केट्स में आपकी विनती " अनसुनी " रह जाएगी | कोई भी शक्ती आपको मार्केट में मुनाफा कमाने या नुकसान से बचाव करने में कोई सहायता नहीं करेगी | यह बात गांठ बाँध लें की प्रभु भी केवल उसी की सहायता करते है जो खुद, खुद की सहायता करता है | पर जब निवेशक की विनती सुनी नहीं जाती तो उसे मन ही मन लगता है की भगवान ने शायद इसलिए मेरी सहायता नहीं की क्यूंकि मैं गलत काम कर रहा हूँ .. पैसे दांव पर लगा रहा हूँ | और यह गिल्ट उस इंसान के सोचने समझने की सारी ताकत छीन कर उसे " आत्मविश्वासहीन कर देता है " | जिस वजह से आम निवेशक शेअर मार्केट में निवेश और मुनाफा की बजाय जीत और हार जैसे नाम देकर ट्रेडिंग करता है | अगर आपको यह कुछ ज्यादा ही लग रहा है तो अपने ट्रेडिंग करने वाले मित्रों से पूछ लीजिये |

⊕ कोई चीज गिर रही है तो कितना गिरेगी बढ़ रही है तो कितना बढ़ेगी यह सोच कर उल्टा ट्रेड लेना :

गिरनेवाला छुरा भी गिरने के बाद थोडा बहोत ऊपर उछल जाता है तो क्या आप गिरते हए छुरे को पकड़ लेंगे ? नहीं ना, क्यों ? क्यूंकि इस कोशिश में आपका हाथ भी कट सकता है .. तो फिर गिरते हए मार्केट में खरीद करने से आपका निवेश नहीं कट जाएगा ? बिलकुल कट जाएगा क्यूंकि छुरे में शायद उतना वजन या जोर नहीं होता जितना मार्केट में होता है | आप ट्रेंड के विपरीत ट्रेड लेकर अपना निवेश गँवा बैठेंगे | टेक्नीकल अनालिसिस में एक वाक्य है " डेड कॅट बाउंस " यानी मृत बिल्ली भी अगर गिरती है तो थोडा बहोत उछल जाती है | यह इस बारे में कहा गया है की जब शेअर बड़ी तेजी से गिरता है तो निचले स्तर से थोडा बहोत रिकवर हो ही जाता है, इसका मतलब यह नहीं है की पूरा ट्रेंड ही रिवर्स हो जाएगा | जब गिरता हुआ शेअर थोडा सा उछल जाए तो यह सोच कर ट्रेड मत ले लेना की " और कितना गिरेगा, अब बहोत गिर चूका " | अगर आप यह सोच कर ट्रेड ले रहे है तो आपको शायद कुछ समय के लिए मुनाफा हो भी रहा हो पर जब तक आप मुनाफा बुक करने की कोशिश करेंगे आप देखेंगे की मुनाफा नुकसान में बदल रहा है और धीरे धीरे नुकसान बढ़ता ही जाएगा .. क्या आप जानते है ऐसा क्यूँ होगा? क्यूंकि

आपने एक गिरते हुए शेअर में निवेश किया है और वह शेअर अब आपको अपने साथ लेकर गिरेगा |

ट्रेड करना मतलब " अवसरवादी बनना, भीड़ के साथ हो जाना, प्रमुख प्रवाह की दिशा में ट्रेड लेना, सही अवसर पहचानना और उसका फायदा उठाना, चालाक बनना और मोमेंटम के साथ जुड जाना या आसान भाषा में कहें तो ट्रेंड जिस दिशा में हो उस दिशा में ट्रेड करना " | ट्रेडिंग मतलब कोई आपकी पर्सनल क्लास नहीं है जहाँ आप अपनी "फिलॉसोफी" झाडो, मार्केट आपकी फिलॉसोफी पर नहीं चलने वाला बल्कि आपको ही मार्केट की फिलॉसोफी समझनी होगी और उसपर चलना होगा | आखिरकार मार्केट सुप्रीम है |

✪ ट्रेडिंग जैसा टाईमपास और कुछ नहीं है :

हाँ, हर आम निवेशक के लिए जो मार्केट से बाहर है यानी जो ट्रेडिंग ही नहीं करते उनके लिए इससे मनोरंजक और इक्साईटिंग क्या होगा की चारों और से लोग मुनाफा कमा रहे है / घाटा खा रहे है और ये जनाब मजे से चाय की चुस्कियाँ लिए जा रहे है | बस .. इतने तक ही यह मनोरंजक है पर जब यही जनाब चाय छोडकर ट्रेडिंग करने लगेंगे तो फुल एसी रूम में भी पसीने छुट जाएंगे क्यूंकि औरों के गम पर मुस्कुराना आसान होता है पर खुद के घाटे पर तो रोया भी नहीं जाता |

ट्रेडिंग रूम में बड़ा ही थ्रिल है, नई नई जानकारी है, लोग बेवकूफियाँ कर रहे है, कुछ बहोत ही स्मार्ट लोग है, कुछ काफी समझदार है, कोई फंडामेंटलिस्ट तो कोई चार्टिस्ट, कई तरह के लोग है और एक मार्केट है जो सभी की भावनाओं के साथ खेल रहा है | एक आम निवेशक जब पहली बार ट्रेडिंग रूम में प्रवेश करता है तो वह ऐसा महसूस करता है जैसे वह किसी नई दुनिया में ही आ गया है | जैसे जैसे वह जानता है की कई देश और दुनिया की कंपनियों और अरबपतियों की बातें हो रही है .. कई लोग लखपति बन गए है यहाँ तक की अपने ही गली के गुप्ता जी भी हजारों रूपये कमा रहे है तो ... शायद कोई भी इंसान जोश से भर जाएगा और यही सोचेगा की "अब मैं भी ट्रेडिंग करके पैसे कमाऊंगा" |

यह सब तब तक चलता रहता है जब आम निवेशक के मन मुताबिक मुनाफा न होकर बचा कुचा निवेश में मार्केट की भेंट चढ जाता है | और तब जाकर आम निवेशक को होश आता है की " शायद कोई गलती हो रही है " | और वह सीखना आरम्भ करता है | पर अगर कोई निवेशक यह मानता ही नहीं की उसकी कोई गलती हो रही है तो वह सारा निवेश गँवाकर मार्केट से सदा के लिए एक्झीट हो जाता है | यह कहते हुए की "कुछ तो गडबड है !, बहोत बड़ी गड़बड़ है !! " |